



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 81]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 18, 2008/पौष 28, 1929

No. 81]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 18, 2008/PAUSA 28, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 2008

(आय-कर)

का.आ. 113(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 115बग की उप-धारा (1) के खंड (ख) के स्पष्टीकरण (i) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (दूसरा संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 2008 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962, भाग 7ग में,—

(i) नियम 40ग के उपनियम (4) में खंड (च) का लोप किया जाएगा; और

(ii) नियम 40ग के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“विनिर्दिष्ट प्रतिशूलि का, जो कंपनी में साधारण शेयर नहीं है, मूल्यांकन।

40घ-धारा 115बग की उप-धारा (1) के खंड (खक) के प्रयोजनों के लिए किसी विनिर्दिष्ट प्रतिशूलि

का उचित बाजार मूल्य, जो किसी कंपनी में साधारण शेयर नहीं है, उस तारीख को, जिसको विकल्प कर्मचारी में निहित होता है, ऐसा मूल्य होगा जो नियत तारीख को किसी वाणिज्यिक बैंककार द्वारा अवधारित किया गया हो।

स्पष्टीकरण।—इस नियम के प्रयोजनों के लिए “वाणिज्यिक बैंककार” और “नियत तारीख” के वही अर्थ होंगे जो नियम 40ग के उप-नियम 4 के खंड (ख) और खंड (ड) में क्रमशः उनके हैं।

[अधिसूचना सं. 11/2008/फा. सं. 142/25/2007-टीपीएल]

शोधन कर, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में संख्याक का.आ. 969(अ), तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अधिसूचना संख्याक का.आ. 50(अ) तारीख 8 जनवरी, 2008 द्वारा उनका अंतिम संशोधन किया गया।

स्पष्टीकारक ज्ञापन

वित्त अधिनियम, 2007 ने आयकर अधिनियम के उपबंधों का संशोधन किया है जिससे कि यह उपबंध किया जा सके कि नियोक्ता, जब कभी कर्मचारियों को विनिर्दिष्ट प्रतिशूलि या श्रम साधारण शेयर आवंटित या अंतरित किए गए हों, कर्मचारियों को मंजूर की गई कर्मचारी स्टाक विकल्प स्कीम के मूल्य पर अनुबंधी फायदा कर का संदाय करने के दायी होंगे। अनुबंधी फायदा कर के उद्ग्रहण के प्रयोजनों के लिए कर्मचारी स्टाक विकल्प स्कीम का मूल्य, विकल्पों के निहित होने की तारीख को, विनिर्दिष्ट प्रतिशूलि या श्रम साधारण शेयर का, वह उचित बाजार मूल्य होगा, जिसमें से कर्मचारी को वास्तविक रूप से संदत्त या उससे वसूल की गई रकम को घटा दिया जाएगा।

आयकर अधिनियम की धारा 115 बग की उप-धारा (1) के खंड (खक) के स्पष्टीकरण (i) “उचित बाजार मूल्य” को परिभाषित करता है, जिससे कि ऐसी पद्धति के अनुसार, जो बोर्ड द्वारा विहित की जाए, अवधारित मूल्य अभिप्रेत है। पूर्व में, आयकर नियमों में नियम 40ग अंतःस्थापित किया गया था, जो विनिर्दिष्ट प्रतिभूति या श्रम साधारण शेयर के, जो कंपनी में साधारण शेयर हैं, मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत विहित करता है। उक्त नियम 40ग का “साधारण शेयर” की परिभाषा का लोप करने के लिए संशोधन किया गया है, क्योंकि वह आयकर अधिनियम की प्रभारी धारा में किसी परिभाषा के बिना, प्रयुक्त किए गए पद को ध्यान में रखते हुए आवश्यक नहीं था, जिसके द्वारा उसे उसका नैसर्गिक अर्थ मानने के लिए अनुज्ञात किया गया है। इसके अतिरिक्त, ऐसी विनिर्दिष्ट प्रतिभूति के, जो कंपनी में साधारण शेयर नहीं हैं, मूल्यांकन के प्रयोजनों के लिए आयकर नियमों में एक नया नियम 40घ अंतःस्थापित किया गया है।

संशोधित नियम 40ग और नया नियम 40घ, 1 अप्रैल, 2008 से प्रभावी होंगे और तदनुसार निर्धारण वर्ष 2008-2009 और पश्चात्कार्त वर्षों के संबंध में लागू होंगे।

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th January, 2008

(INCOME-TAX)

S.O. 113(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 read with Explanation (i) to clause (ba) of sub-section (1) of section 115WC of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), read with section 22 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Second Amendment) Rules, 2008.

(2) They shall come into force with effect from the 1st day of April, 2008.

2. In the Income-tax Rules, 1962, in Part VII C,—

(i) in rule 40C, in sub-rule (4), clause (f) shall be omitted; and

(ii) after rule 40C, the following rule shall be inserted, namely :—

“Valuation of specified security not being an equity share in the company.

40D. For the purposes of clause (ba) of sub-section (1) of section 115WC, the fair market value of any specified security, not being an equity share in a company, on the date on which the option vests with the employee, shall be such value as determined by a merchant banker on the specified date.

Explanation.—For the purposes of this rule, “merchant banker” and “specified date” shall have the meanings assigned to them in clause (b) and clause (e) respectively of sub-rule 4 of Rule 40C.”

[Notification No.11/2008/F.No.142/25/2007-TPL]

SOBAN KAR, Under Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3. Sub-section (ii), vide number S.O. 969(E), dated the 26th March, 1962 and last amended by notification number S.O. 50(E), dated 8th January, 2008.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Finance Act, 2007 amended the provisions of the Income-tax Act to provide that employers will be liable to pay fringe benefit tax on the value of ESOPs granted to employees as and when the specified security or sweat equity share were allotted or transferred to the employees. The value of ESOPs for the purposes of levy of FBT shall be the fair market value of the specified security or sweat equity share on the date of vesting of the options as reduced by the amount actually paid, or recovered from, the employee.

Explanation (i) to clause (ba) of sub-section (1) of section 115WC of the Income-tax Act defines “fair market value” to mean the value determined in accordance with the method as may be prescribed by the Board. Earlier, Rule 40C was inserted in the Income-tax Rules which prescribed guidelines for valuation of specified security or sweat equity shares being an equity share in the company. The said rule 40C has been amended to omit the definition of “equity share” as the same was not necessary in view of the term having been used in the charging section of the Income-tax Act without a definition, thereby allowing it to take its natural meaning. Further, a new Rule 40D has been inserted in the Income-tax Rules for the purposes of valuation of specified security not being an equity share in the company.

The amended Rule 40C and the new Rule 40D will take effect from the 1st April, 2008 and will, accordingly, apply in relation to the assessment year 2008-2009 and subsequent years.